सेवारत बी.एड. अध्यापकों के लिए
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान(NIOS) द्वारा संचालित
प्रारम्भिक शिक्षकों हेतु व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

ब्रिज कोर्स (पीडीपीईटी)

525 विद्यालय आधारित गतिविधियाँ
525 School Based Activities (SBA)

सत्र 20........ 20........

Submitted By :

Name / नाम : ____________________

Enrolment No. / नामांकन संख्या : ____________ Roll No. / अनुक्रमांक : ____________

Address/ पता: ____________________

Village / ग्राम : ____________ P.O. / पोस्ट : ____________

Thana / थाना : ____________ Dist. / जिला : ____________

Pin Code/ पिन कोड: ________ Mob. No. / मो.न. : ____________

E-mail / ई-मेल : ____________________

अध्ययनाभ्यास की अवधि ________ दिनांक ________ से ________ तक

शिक्षण विद्यालय का नाम ____________________

Submitted To :

Study Centre / अध्ययन केन्द्र : ____________________

____

Date of Submission / जमा करने का दिनांक : ____________________

Signature / हस्ताक्षर : ____________

Scanned by CamScanner

सेवारत बी.एड. अध्यापकों के लिए

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान(NIOS) द्वारा संचालित

प्रारम्भिक शिक्षकों हेतु व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

ब्रिज कोर्स (पीडीपीईटी)

525 विद्यालय आधारित गतिविधियाँ

525 School Based Activities (SBA)

सत्र 20........... 20...........

Submitted By :

Name / नाम : ____________________

Enrolment No. / नामांकन संख्या : ____________________ Roll No. / अनुक्रमांक : ____________________

Address/ पता: ____________________

Village / ग्राम : ____________________ P.O. / पोस्ट : ____________________

Thana / थाना : ____________________ Dist. / जिला : ____________________

Pin Code/ पिन कोड: ____________________ Mob. No. / मो.न. : ____________________

E-mail / ई-मेल : ____________________

अध्ययनाभ्यास की अवधि ____________ दिनांक ____________ से ____________ तक

शिक्षण विद्यालय का नाम ____________________

Submitted To :

Study Centre / अध्ययन केन्द्र : ____________________

____

Date of Submission / जमा करने का दिनांक : ____________________

Signature / हस्ताक्षर : ____________________

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 1

गतिविधि
विषय

* समूह -(A) *

प्रश्न- विभिन्न स्रोतों लोककथा, पंचतन्त्र जातक कथा स्वतंत्रता संघर्ष, देशभक्ति की कहानिया, पाठ्यपुस्तक आदि से कम से कम दो कहानियाँ एकत्र करें और उन मूल्यों की पहचान करे जो - कहानियों के माध्यम से प्रोन्नत होती है।

उत्तर-

प्रथम कहानी – कंजूस गूढ़धन

किसी गाँव मे एक गूढ़धन नाम का एक व्यापारी रहता था। वह बहुत कंजूस था। उसने बहुत अधिक धन जमा कर लिया था लेकिन कभी भी खर्च नहीं करता था। एक बार की बात है उसके गाँव मे अकाल पड़ गया। चारो ओर त्राहि - त्राहि मच गई। लोग भूख से मरने लगे लेकिन गूढ़धन अपने धन को सँभालकर बैठा हुआ था। उसने सोचा की मेरे धन का उपयोग मेरे परिवार वाले न करें सो इसलिए मे अपने धन को गुप्त स्थान पर छुपा देता हूँ। उसने ऐसा ही किया।

जब उसके परिवार के लोग उससे धन माँगने आये तो उसने कहा की यह

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

धन मुझे प्राणों से भी प्यारा है। तुम लोग धन न मांगों मेरे प्राण ही मांग लो। उसके परिवार के लोग भूख से एक - एक कर मरने लगे लेकिन उसने किसी को कुछ नहीं दिया।

अब वह खुद ही बिना कुछ खाए दिन बिताने लगा, उसने सोचा जिस धन के बिना मेरी पत्नी और बच्चे मर गए, अब मैं उस धन का प्रयोग अपनी रक्षा के लिए कैसे कर सकता हूँ। लगातार उपवास करने पर वह बहुत कमजोर हो गया। उसकी यह दशा देखकर कुछ गाँव वाले उसके पास पहुँचे और बोले — 'हे गूढ़धन! तुम उस धन का क्या करोगे जिससे तुम अपने प्राणों की रक्षा नहीं कर पा रहे हो।

गुढ़धन बोला — " अरे गाँव वालो! चाहे मेरे प्राण ही क्यों न चले जाए लेकिन मैं धन खर्च नहीं कर सकता। मेरे प्राणों की रक्षा के लिए तुम लोग उपाय करो! " गाँववाले बोले — जब तुम मर जाओगे तो इस धन का उपयोग कोई और करेगा।

गूढ़धन बोला - मैं तो अपना धन अपने गले में

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 3

बाँधकर मरूगाँ।"

ऐसा बोलकर वह अपनी धन की पोटली लेकर समुद्र तट पर गया। वहाँ उसने एक नाविक से पूछा। भाई नाविक मेरे परिवार के सभी लोग मर गये हैं। अब मैं भी अपने प्राण त्यागना चाहता हूँ। लेकिन त्याग नहीं पा रहा हूँ। तुम मुझे समुद्र के जल मे डुबोकर मार डालो यदि तुम ऐसा करोगे तो मैं तुम्हें एक सोने का सिक्का दूँगा।

नाविक ने कहा – "तो तुम मुझे पहले सोने का सिक्का दो" गूढ़धन ने पोटली से एक सिक्का निकाला और, देने की इच्छा से उसे देखा और कहा कि मैं इसे देने मे असमर्थ हूँ। तुम मुझे बिना सिक्के के मार दो तुम्हें पुण्य की प्राप्ति होगी।" धन की पोटली देखकर नाविक के मन मे लालच आ गया। वह बोला मुझे सिक्का मत दो मैं तुम्हें पुण्य के लिए मारूँगा। ऐसा कहकर नाविक ने उस कंजूस को जल मे डुबोकर मार डाला। और धन की पोटली

Teacher's Signature ....

Exp No. ....

Date / /
Page No. 4

Shivalal

लेकर धन्य हो गया।

सीख – " हमें जरूरी कर्मों के लिए कंजूसी नहीं करनी चाहिए। धन का सही उपयोग करना चाहिए। मूढ़धन की कंजूसी के कारण वह और उसका परिवार नष्ट हो गया।" अतः अधिक कंजूसी हानिकारक होती है।

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 5

Shivalal

द्वितीय कहानी – 'न्याय'

काशिराज की रानी का नाम 'करुणा' था। राजवंश मे पैदा हुई पली, बढ़ी। दास-दासियां हर समय सेवा में तत्पर रहते थे। जिस वस्तु की इच्छा होती वह तुरन्त मिल जाती थी। उन्हें किसी प्रकार का आभाव न था। वे जानती भी न थी कि दुःख क्या है। वे बहुत सुन्दर थी।

एक बार माघ का महीना था बहुत ठंड पर रही थी। एक दिन रानी ने वरुणा नदी मे स्नान करने का निश्चय किया। रानी का निश्चय जानकर राजा ने आज्ञा दी कि वरुणा की ओर जाने वाले सभी मार्ग रोक दिए जाए। और घाट खाली कर दिए जाएँ।

अपनी सखियों के साथ रानी स्नान के लिए घाट पर पहुँची। नदी तट पर उनकी हँसी मजाक की ध्वनि ही गुंज रही थी। पूर्व दिशा मे सूर्य निकल रहा था।

रानी ने अपनी सखियों के साथ

Teacher's Signature ....

Exp No. ....

Date / /
Page No. 8

नदी मे स्नान किया । पानी ठंडा होने के कारण रानी थर - थर कॉंपने लगी। उन्होनें सखियों से कहा जल्दी से आग जलाओ । मैं ठंड से मरी जा रही हूँ।

रानी की आज्ञा पाकर सखियाँ जंगल से लकड़ियाँ लाने के लिए दौड़ पड़ी । रानी ने चिल्लाकर कहा, " इतनी दूर कहाँ जा रही हो ? सामने जो झोपड़ी दिखाई दे रही है, इसी में आग लगा दो । एक सखी ने कहा की यह किसी गरीब की झोपड़ी है इसे मत जलाओ तो रानी बोले मुझे ठंड लग रही है तुम्हें झोपड़ी की पड़ी है ।

सखियों ने झोपड़ी में आग लगा दी वह आग नदी तट पर फैल गई और सारी झोपड़ीयाँ जल गई रानी तापकर राजमहल लौट आई ।

अगले दिन राजा अपने दरबार बैठे हुये थे । जिन लोगों की रानी ने झोपड़ीयाँ जला दी थी उन्होन्में अपनी दुःख भरी कहानी राजा को सुनाई । सारी बाते सुनकर राजा का सिर लज्जा से झुक गया उनको रानी पर क्रोध आया । वे सभा से उठकर सीधे राज महल पहुँचे ।

Teacher's Signature ....

Exp No. ....

Date / /
Page No. 7

राजा ने क्रोधपूर्ण स्वर मे रानी से पूछा तुमने दुखियों की झोपड़ी घर क्यों जला दिए?

रानी ने उत्तेजनापूर्ण स्वर में कहा, आप घास-फूस की उन पुरानी टूटी झोपड़ीयों को ~~घस~~ घर कह रहे हैं। उनके न रहने से किसी को क्या हानि हो सकती है। और होगी भी तो कितनी? अपनी रानी की प्रसन्नता के लिए राजा तो न जाने कितना धन खर्च करते है। आप उन फूस की झोपड़ियो के कारण मुझ पर क्रोध कर रहे हैं।

राजा बोले " जब तक तुम रानी हो गरीब की झोपड़ी का मूल्य नही समझ सकती। मैं तुम्हें समझाऊँगा।"

राजा ने दासियों को आदेश दिया की रानी के राजसी वस्त्र व आभूषण ~~उत~~ उतार लिए जाएँ और साधारण वस्त्र पहना दिए जाएँ। और राजा रानी से बोले जा दीन बनकर घर-घर भीख मागों। तुमने अपने ~~क्ष~~ क्षण-भर के सुख के लिए जिन झोपड़ियो को जलवा दिया था, उन्हे तुम्हें बनवाकर देना होगा। इसके लिए मैं तुम्हें एक वर्ष का समय दे रहा हूँ। एक वर्ष बाद आकर बताना की गरीब की

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 8

Shivalal

झोपड़ी का मूल्य क्या होता है।

एक वर्ष तक रानी भिखारिन की तरह रही। उन्होंने गरमी सरदी और वर्षा को सहा। एक वर्ष तक कठोर परिश्रम करने के बाद झोपड़ियाँ बनकर तैयार हुईं। अब रानी को झोपड़ी का वास्तविक मूल्य ज्ञात हो गया था। राजा उन्हें फिर आदरपूर्वक अपने राजमहल में ले आए।

सीख – "प्रत्येक कार्य सोच-समझकर करना चाहिए व ऐसा कार्य नहीं करें जिससे किसी को दुःख नहीं पहुँचे। सभी के साथ समान न्याय करें फिर वह चाहे अपना हो या पराया।"

विद्यालय की मुहर / हैडमास्टर के हस्ताक्षर   शिक्षक के हस्ताक्षर

मार्गदर्शक के हस्ताक्षर   पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

* समूह - B *

गतिविधि विषय –

प्रश्न- अपने पड़ोस के किसी बच्चे का केस प्रोफाइल तैयार करें।

उसके संज्ञानात्मक, भावात्मक और सामाजिक विकास की तुलना करने के लिए हमारे पड़ोस के एक बच्चे का एक केस प्रोफाइल निम्न प्रकार है-

उत्तर-

परिचय

बच्चे का नाम – सुशांत सिंह
आयु – 11 वर्ष
लिंग – पुरुष
पता – मु० बनारसीदास औरैया
कक्षा – 3
विद्यालय – सुरभी ग्लोबल एकेडमी औरैया

परिवार का विवरण

पिता का नाम – श्री मंगल सिंह
आयु – 41 वर्ष
शिक्षा – हाई स्कूल
माता का नाम – श्री मती नीरज देवी
शिक्षा – M. A.
भाई- बहन – बहन – छाया

Scanned by CamScanner

जन्म से

माँ की गर्भावस्था : सामान्य / जटिल
बच्चे का जन्म : घर / अस्पताल
बच्चे का वजन : 3.200 kg
बच्चे में कोई भी जन्म आसामान्यताऐं – नहीं

पारिवारिक वातावरण

बच्चे का व्यवहार – साधारण
पिता का व्यवहार – साधारण
माँ का व्यवहार – सक्रिय
माता पिता के बीच सम्बन्ध – अच्छा

पड़ोसियो के साथ परिवार का सम्बन्ध – सामान्य
धार्मिक मानदंडो का पालन – हाँ
परिवार का शारीरिक स्वास्थ्य – अच्छा

बच्चे का संज्ञानात्मक विकास

स्कूल में उपलब्धि : Poor / Avg / Good / Excellent

दूसरो की तुलना में बच्चे : खराब / नीचे / अच्छा

घर पर सीखने के अवसर : हाँ / नही

स्कूल मे एडमिशन : अर्ली / लेट / टाइम पर

Scanned by CamScanner

कक्षा के भीतर और बाहर व्यवहार : बर्हिमुखी
(जैसे - शर्मीला, अंतर्मुखी, बहिर्मुखी, मौन, हिंसक आदि)

सह- पाठ्क्रम गतिविधियों में भागीदारी : हमेशा

समस्या को हल करने की प्रवृत्ति : कभी - कभी

शिक्षक पद : - गुरु तुल्य

बाल भावनात्मक विकास —:

बच्चे का जन्म से स्वभाव — खुश, सीखने के लिए तैयार, साहसी आदि।

पसंद —

पिता से सम्बन्ध — सामान्य

माता से संबध - बहुत अच्छा

भाई- बहन से सम्बन्ध - सामान्य

मित्रो से सम्बन्ध — सामान्य, मित्रता पूर्ण व्यवहार करता है, सभी के साथ मिलजुल रहता है।

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 12

Shivalal

बच्चे का सामाजिक विकास –:

नैतिक व्यवहार – आम तौर पर शिक्षको के लिए सम्मान की भावना, बड़ो के लिए सम्मान की भावना आदि दिखाता है।

मनोवृत्ति – आशावादी, कठोर, श्रेष्ठता आदि।

समान्य आदते – स्वच्छता रखता है, अनुशासन में रहता है। अपने नियामित कार्य करता है।

नैतिक मूल्य – देश के प्रति प्रेम, करुणा, उत्साही तथा सक्रिय है। शिष्टाचारी है और समुदाय की भावना रखता है।

बच्चे के बारे मे निष्कर्ष –:

सुशांत सिंह एक साहसी बालक है वह शिक्षको तथा अपने बड़ो का सम्मान करता है। वह अपने देश के प्रति प्रेम भावना रखता है। तथा एक सक्रिय और अनुशासित बालक है।

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 13

★ समूह – C ★

गतिविधि विषय –

प्रश्न स्थानीय रूप से उपलब्ध भोजन, फलो और सब्जियों को पहचाने और उनके पौष्टिक मूल्यों को इंगित करें।

उत्तर- भोजन फलों और सब्जियों के पौष्टिक मूल्य निम्न है –

★ दाल ★

दाल एक बहुत ही पौष्टिक आहार है जिसमें आवश्यक प्रोटीन, विटामिन, लोहा, कैल्शियम तथा फाइबर आदि होते हैं। जो इसे आदर्श खाद्य बनाते है। भारत मे दाल की कई किस्मे पायी जाती है। और दाल का उपयोग उतना अबाउ नही है जितना लगता है।

★ चावल ★

चावल आंत के अनुकूल प्रोटीन युक्त भोजन है, जो केवल शरीर के संतृप्ति स्तर को बढ़ाता है। यही नहीं चावल में स्वस्थ शरीर के लिए विटामिन भी होते है। चावल रोटी की तुलना मे आसानी से पच जाता है।

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 14

Shivalal

★ ब्रोकोली ★

ब्रोकोली फाइबर कैल्शियम, पोटेशियम, फोलेट और फाइटोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती है। ये ऐसे यौगिक है जो हृदय रोग मधुमेय तथा कैंसर के विकास के जोखि-म को कम करते है। ब्रोकोली मे विटामिन - C तथा बीटा - कैरोटीन होता है। जो एक एंटीओक्सिडेंट भी होता है।

★ मीठे आलू ★

शकरकंद आहार फाइबर, विटामिन - A, पोटेशियम विटामिन - C तथा विटामिन - 6 से भरपूर है। शकरकंद को नंबर एक पर रखा गया है। क्यों कि इसमें आवश्यक तत्व प्रचुर मात्रा मे पाये जाते है।

★ मछली ★

मछली एक अच्छा भोज्य पदार्थ है जिसमे आवश्यक तत्व प्रचुर मात्रा में होते है। मछली मे तेल लगभग 30% पाया जाता है ओयली फिश, गठिया जैसे सूजन आदि रोगों मे लाभ प्रदान करती है। मछली के तेल की खुराक के साथ आहार करे तो कैंसर की प्रगति काफी धीमी हो जाती है।

Teacher's Signature ....

* मुर्गी *

मुर्गी के मांस को चिकन कहते है। यह सस्ता और स्वस्थ मास है। यह याद रखना आवश्यक है कि चिकन पकाने तथा तैयार करने मे उसक स्वस्थ हो भी आवश्यक है। इसमें भी पोष्टिक तत्व पाये जाते है।

* अंडे *

अंडा प्रोटीन का एक अन्य स्रोत है। जिसे आसानी से सन्तुलित आहार मे शामिल किया जा सकता है। इसमे विटामिन B-2 सहित अन्य विटामिन भी होते है। यह ऊर्जा तथा लाल - रक्त कोशिकाओ के लिए अति महत्वपूर्ण है। इसमे वसा तथा कोले- -स्टॉल भी होता है।

* सेब *

सेब हमेशा सुविधाजनक उपलब्ध होने वाला भोज्य पदार्थ है। डॉक्टर रोगियों को सेब का सेवन करने की सलाह देते है। क्यो कि इसमे फाइबर के साथ बीमारियों से लड़ने वाले तत्व होते है। सेब को ताजा खाने से अधिक लाभ होता है।

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 16

केला, खजूर, अमरूद, नीबू, आम, नारंगी नाशपाती, अनानास, आदि सभी फल हमारे शरीर के लिए अति आवश्यक है जिनमे आवश्यक तत्व, विटामिनस् पाये जाते है। जो रोगो से बचाते है।

*** गेहूँ ***

सफेद और साबुत गेहूँ का आटा पके हुए भोजन में प्रमुख सामग्री है। जैसे- रोटी, पास्ता, नूडल्स, सूजी आदि खाद्य भोज्य पदार्थ गेहूँ से बनते है और इसलिए गेहूँ अति आवश्यक है।

गेहूँ में विभिन्न एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन खनिज फाइबर का एक समृद्ध स्रोत है।

उपर्युक्त जानकारी में स्थानीय रूप उपलब्ध भोज्य फलो, और सब्जियो को पहचानकर उनके पौष्टिक मूल्यों को बताया गया है।

विद्यालय की मुहर / हैडमास्टर के हस्ताक्षर   शिक्षक के हस्ताक्षर

मार्गदर्शक के हस्ताक्षर   पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. ....   Date / /   Page No. 17

Shivalal

समूह - D

उपसमूह -

(i) अव्यवस्थित शब्दों वाले पाँच खेलों को तैयार करें।

L C P I E N ________ 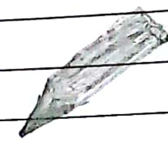

Y D R A I ________ 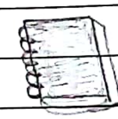

O O K B ________

O M N A G ________ 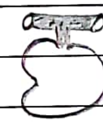

S L S G A ________

विद्यालय की मुहर / हैडमास्टर के हस्ताक्षर   शिक्षक के हस्ताक्षर

मार्गदर्शक के हस्ताक्षर   Teacher's Signature परीक्षक के हस्ताक्षर

Exp No. .... Date / / Page No. 18

उपसमूह - II

गतिविधि विषय - I

(1)(a) **अपने परिवेष मे प्रदूषण के कारणों को पहचानें एवं इसके समाधान के उपाय बताएं।**

आज के वर्तमान युग को मानव ने मशीनी युग बना दिया है इसी कारण वह अपने पर्यावरण की शुद्दता का भी ध्यान नहीं रख सका है। जिससे प्रदूषण की समस्या का जन्म हुआ है। अब हमे सभी को पर्यावरण, तथा प्रदूषण के महत्व को बताकर उसकी रक्षा या समाधान के उपाय करने होगे नहीं तो जीवन बहुत ही कठिन हो जायेगा।

प्रदूषण का अर्थ - सन्तुलित वातावरण में जीवन का विकास सम्भव है। पर्यावरण का निर्माण प्रकृति के द्वारा किया गया है। जब वातावरण मे कुछ हानिकारक घटक आ जाते है, तो वातावरण प्रदूषित हो जाता है।

प्रदूषण के कारण - वातावरण के दूषित होजाने को प्रदूषण कहते है। जिसके निम्न कारण है। जो अग्र लिखित है।

★ जनसंख्या वृद्दि प्रदूषण की समस्या का एक कारण है।

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

Date / /
Page No. 19

★ औद्योगिक प्रगति ने भी प्रदूषण की समस्या को जन्म दिया है।

★ वायुमण्डल मे कार्बन-डाई ऑक्साइड की बढ़ती मात्रा से भी प्रदूषण की समस्या का उत्पन्न होना निश्चित है।

★ जल को जीवन कहा जाता है और यह माना जाता है जल मे देवता निवास करते है। फिर भी बड़े - बड़े नगरो के गंदे नाले तथा सीवर नदियों में आकर मिला दिये गये है। कारखानो का सारा कचरा बहकर नदियों में आ रहा है। जिससे जल प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हुई है।

★ ध्वनि प्रदूषण की समस्या आज की नई समस्या बन गई है। इसे वैज्ञानिक प्रगति मे पैदा किया है। मोटर, कार, ट्रक, वाहन, जेट विमान कारखानों मे मशीनो की आवाज से ध्वनि प्रदूषण होता है।

★ परमाणु परीक्षण निरन्तर हो रहे है जिससे रेडियो धर्मी प्रदूषण हो रहा है।

★ कारखाने मे बहते अपशिष्ट द्रव्यो के अलावा कीटनाशको के प्रयोग से रसायनिक प्रदूषण

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. .... Date / / Page No. 20

हो रहा है। जिससे मानव जीवन को बहुत सी हानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदूषण की समस्या का समाधान :-

प्रदूषण की कई समस्याएं हैं जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, रेडियो धर्मी प्रदूषण रसायनिक प्रदूषण आदि। इन सभी समस्याओं के समाधान निम्न लिखित है -

* वातावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए वृक्षारोपण सर्वश्रेष्ठ साधन है। दूसरी ओर वृक्षों के अधिक कटाव पर भी रोक लगानी चाहिए।

* कारखानों और मशीनों को लगाने की अनुमति उनको ही देनी चाहिए जो कचरे और मशीनों के धुएँ को बाहर निकाले। तथा उसकी समुचित व्यवस्था करें।

* तेज ध्वनि वाले वाहनों पर साइलेंसर आवश्यक लगा होना चाहिए। लाउड स्पीकरों का प्रयोग कम होना चाहिए।

* औद्योगिक कचरे तथा जल का निस्तारण आवश्यक होना चाहिए। कीट रसायनों का प्रयोग कम करें।

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

Exp No. ....

गतिविधि – II

(A) EVS / विज्ञान में अपनी पंसद के किसी विषय पर एक अवधारणा मानचित्र विकसित करें –

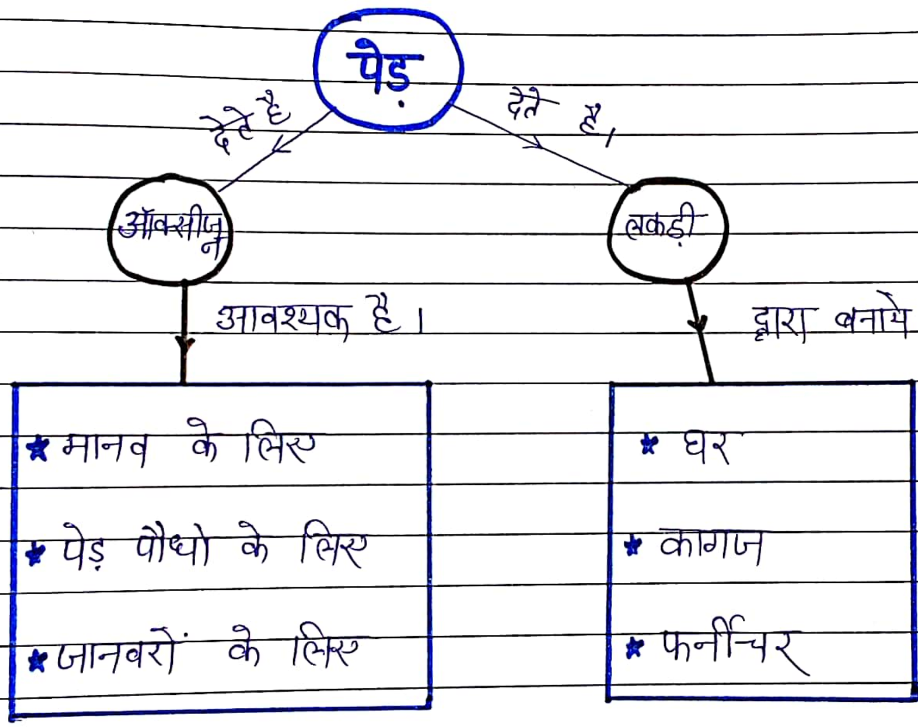

विद्यालय की मुहर / हैडमास्टर के हस्ताक्षर   शिक्षक के हस्ताक्षर

मार्गदर्शक के हस्ताक्षर   पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner

उपसमूह – III

गतिविधि विषय –

(iii) एक गणितीय खेल डिजाइन करें जिसके माध्यम से आप चार ऑपरेशन सिखा सकते हैं।

सुडोकू –:

सुडोकू एक तर्क आधारित दहनशील संख्या, प्लेसमेंट पहेली है। उद्देश्य अंको के साथ 9 × 9 ग्रिड को भरना है। ताकि प्रत्येक स्तम्भ तथा प्रत्येक पंक्ति और ग्रिड बनाने वाले 9, 3 × 3 उपग्रहों में प्रत्येक में 1 से 9 तक सभी अंक हो।

5	3			7				
6			1	9	5			
	9	8					6	
8				6				3
4			8		3			1
7				2				6
	6					2	8	
			4	1	9			5
				8			7	9

Scanned by CamScanner

विद्यालय की मुहर / हैडमास्टर के हस्ताक्षर

शिक्षक के हस्ताक्षर

मार्गदर्शक के हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

Scanned by CamScanner

विद्यालय आधारित गति विधियों हेतु रेटिंग स्केल का प्रारूप

(समूह - A, B, C तथा D)

शिक्षक प्रशिक्षु का नाम
नामांकन संख्या
विद्यालय का नाम
विद्यालय का पता

रेटिंग नीचे दिए गये मानकों के अनुसार

	मानक	रेटिंग (5 = उत्कृष्ट, 4 = बहुत अच्छा, 3 = अच्छा, 2 औसत, 1 = असंतोषजनक)				
	पहले से तैयार की गई गति विधियों का विवरण →	5	4	3	2	1
(i)	गतिविधि का उद्देश्य →	5	4	3	2	1
(ii)	गतिविधि के संचालन हेतु उठाए गए कदम →	5	4	3	2	1
(iii)	गति विधि के दौरान आयी समस्याओं के समाधान →	5	4	3	2	1
(iv)	विद्यालय वातावरण पर गतिविधि का प्रभाव →	5	4	3	2	1
(v)	विद्यालय वातावरण पर गतिविधि →	5	4	3	2	1
(vi)						

40 में से कुल अंक

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

Teacher's Signature ....

Scanned by CamScanner